

सैनिकों के त्याग से देश की सीमाएं हैं सुरक्षित

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कारगिल दिवस पर आयोजित समारोह में दी शहीदों को श्रद्धांजलि

नवभारत न्यूज

रीवा, 26 जुलाई. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कृष्णा राजकपूर आडिटीरियम में आयोजित अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सम्मेलन में कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे सैनिक वीरता और त्याग की प्रतिमूर्ति हैं, सैनिकों के त्याग और बलिदान से देश की सीमाएं सुरक्षित हैं, कारगिल युद्ध में वीर जवानों ने अपने प्राणों की बाजीलागाकर कठिनतम परिस्थितियों में देश को विजय



दिलाई. सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ने सेना को प्रतिष्ठा में चार चांद लगाये. भारत तेजी से हर क्षेत्र में विकास कर रहा है. देश की आजादी के समय वीरों ने जो सपने देखे थे उन्हें 2047 तक पूरा करके देश को विश्वगुरु बनायेंगे. उप मुख्यमंत्री ने कहा कि

विधि उद्यान और अस्पताल का लोकार्पण

रीवा. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिला न्यायालय परिसर में बनाये गये अस्पताल का लोकार्पण किया. उप मुख्यमंत्री ने 87 लाख रुपये की लागत से बनाई जा रही पार्किंग का भूमिपूजन किया. उप मुख्यमंत्री ने न्यायालय परिसर में पौधेरोपित करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा विधिउद्यान का लोकार्पण किया. इस अवसर पर आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालय परिसर में अस्पताल शुरू हो जाने से सभी को आपातकाल में चिकित्सा सेवाएं मिलेंगी.

मध्यप्रदेश ने हाल ही में समान नागरिक संहिता कानून पास करके सबकों समान अधिकार दिया है. देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर में धारा 370 समाप्त करके एक देश एक विधान

एक निशान और एक प्रधान का सपना पूरा किया. हमारे सैनिकों ने कश्मीर से आतंकवाद की जड़ उखाड़ फेंकी विन्ध्यधरा ने पूर्व सैनिकों का स्वागत करते हुए हम सबकों बड़ी प्रसन्नता हो रही है.

प्रधान का इस्तीफा : विदेशियों के मंसूबे विफल



भोपाल, 26 जुलाई. मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस पर राजनीतिक अवसरवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ विदेशी ताकतें भारत में बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी परिस्थितियां पैदा करना चाहती थीं, लेकिन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे से उनके मंसूबे विफल हो गए.

विजयवर्गीय ने इंदौर में केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस के विरोध जुलूस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस की भूमिका पूरी तरह राजनीतिक अवसरवाद से प्रेरित है. उन्होंने कहा कि जिस आंदोलन का हवाला दिया जा रहा है, उसमें छात्रों ने आंदोलन किया और पुलिस की

कार्रवाई हुई, लेकिन कांग्रेस बाद में राजनीतिक लाभ लेने के लिए मैदान में उतरी.

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद विपक्ष पूरी तरह निराश हो चुका था और उसे इस मुद्दे में राजनीति की नई संभावना दिखाई दी. उनका आरोप था कि इस पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस का कोई वास्तविक योगदान नहीं था. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर कांग्रेस

नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि उन्हें पहले आरएसएस को समझना चाहिए. उन्होंने कहा कि यदि आरएसएस नहीं होती तो देश की स्थिति की कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं. उनके अनुसार देश आज जिस व्यवस्था और अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है, उसके पीछे आरएसएस स्वयंसेवकों की वर्षों की मेहनत है.

धर्मेन्द्र प्रधान की कार्यशैली की सराहना करते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि वह उन्हें विद्यार्थी परिषद के समय से जानते हैं. उन्होंने कहा कि प्रधान ने पार्टी नेतृत्व से स्वयं कहा था कि यदि पार्टी उचित समझे तो वह इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं. बाद में पार्टी के सामूहिक निर्णय के बाद उन्होंने इस्तीफा दिया.

एक नजर में जिला अस्पताल और कलेक्टर बंगले पर हंगामा

मुरेना. जिला अस्पताल में एक युवक की इलाज के दौरान मृत्यु होने के बाद उसके परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिला अस्पताल और बाद में कलेक्टर बंगले पर हंगामा किया. अधिकारियों के आधासन के बाद मामला शांत हुआ. ग्राम हड़वासी निवासी 36 वर्षीय बंटी शाक्य की रविवार सुबह अलानक तबीयत बिगड़नेपर परिजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक के परिजनों का आरोप है कि चिकित्सकों ने समय पर उचित उपचार नहीं किया और इलाज में लापरवाही बरती, जिसके कारण उसकी मौत हो गई.

प्राचीन तोप चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी. जिले के नरवर स्थित प्राचीन ऐतिहासिक किले से प्राचीन विशाल तोप चोरी करने के मामले में पुलिस ने राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी में प्रयुक्त मिनी लोडिंग वाहन जब्त किया है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन मीणा और टिममू राम मीणा, दोनों निवासी जिला करौली (राजस्थान), के रूप में हुई है. दोनों आरोपियों को करौली पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया. आरोपियों के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त मिनी लोडिंग वाहन तथा करीब छह लाख रुपये का मशरूका जब्त किया गया है. गत 15 और 16 जुलाई की दरमियां रात अज्ञात बदमाशों ने नरवर के प्राचीन किले से ऐतिहासिक तोप चोरी कर ली थी.

फरार दुष्कर्म आरोपी पर अदालत का शिकंजा

बैतुल. जिले में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में लगभग 17 महीने से फरार आरोपी को खिलाफ न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए उद्घोषणा जारी की है. अदालत ने आरोपी को 30 दिन के भीतर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं. निर्धारित अवधि में पेश नहीं होने पर उसकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी. पुलिस के अनुसार मामला मूलतः थाना क्षेत्र के एक गांव का है. आरोपी सतीश हारले के विरुद्ध नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 366 और 376(2)(एन) तथा पाँचवो अधिनियम की धारा 5/6 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था.

ई-प्रवेश प्रणाली राज्य के महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया जारी

4 लाख 89 हजार विद्यार्थियों को मिला प्रवेश

नवभारत समाचार

भोपाल, 26 जुलाई. मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग की विद्यार्थी-केंद्रित ई-प्रवेश प्रणाली ने उच्च शिक्षा में प्रवेश का नया कीर्तिमान स्थापित किया है. विभाग द्वारा प्रवेश प्रक्रिया को पूर्णतः डिजिटल, पारदर्शी और सरल बनाने के लिए किए गए नवाचारों का सकारात्मक परिणाम इस वर्ष स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है.

अब तक प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में 4,89,169 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया है, जो पिछले चार वर्षों में समान अवधि का

सर्वाधिक आंकड़ा है. उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है. वर्ष 2023-24 में समान अवधि तक 3,21,154, वर्ष 2024-25 में 3,25,095, वर्ष 2025-26 में 4,15,655 तथा वर्ष 2026-27 में 4,89,169 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया.

इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में 73,514 तथा वर्ष 2023-24 की तुलना में 1,68,015 अधिक विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा से जुड़कर नया रिकॉर्ड बनाया है. यह वृद्धि प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रति बढ़ते विश्वास, डिजिटल सुविधाओं के

विस्तार तथा विद्यार्थी-अनुकूल नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है. प्रवेश में इस उल्लेखनीय वृद्धि का सबसे बड़ा कारण विभाग द्वारा विकसित ई-प्रवेश पोर्टल एवं मोबाइल एप है. अब विद्यार्थी घर बैठे ही पंजीयन, दस्तावेज अपलोड, ऑनलाइन सत्यापन, महाविद्यालय एवं पाठ्यक्रम का चयन, शुल्क भुगतान तथा प्रवेश की संपूर्ण प्रक्रिया सहजता से पूरी कर रहे हैं. इस डिजिटल व्यवस्था से विद्यार्थियों और अभिभावकों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिली है तथा पूरी प्रक्रिया पहले की अपेक्षा अधिक सरल,

7 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने कराया पंजीयन

वर्तमान शैक्षणिक सत्र में अब तक 7,18,386 विद्यार्थियों ने ई-प्रवेश पोर्टल पर पंजीयन कराया है. इनमें से 6,31,854 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन पूर्ण हो चुका है तथा 4,89,169 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया है.

पारदर्शी, समयबद्ध और सुविधाजनक बनी है.